Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 500||207 Date: 03|04|2020 Validity : 3 Months Only

नाम: Rajeev	जन्म तिथि: 16|11|1966	जन्म समय: 06:15 AM
जन्म स्थान: Delhi	मांगलिक योग: No	इष्ट देव: Shani Dev

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Shukra (उच्च)	0 %	Guru (नीच)	70 %
2.	Budh (व) (अस्त)	10 %	Chandra	100 %
3.	Shani (व)	10 %	Surya (नीच)	10 %
4.	Ketu (व)	70 %	Mangal	20 %
5.			Rahu (व)	70 %
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): विष्णु - लक्ष्मी राजयोग : (Achive = 0%)
पन्ना तथा ओपल धारण करने से इस योग का result मिलेगा (upto 30%)
3. कुण्डली दोष: सूर्य ग्रहण योग, चन्द्र ग्रहण योग। (सूर्य तथा चन्द्र के दान करना है)
4. शुभ दिन: Wednesday, Friday, Saturday
5. शुभ रंग: (हरा, काला, नीला) — लेकिन राहु की दशा में नीले वस्त्र धारण ना करें!
6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना	6+	Right	little	चाँदी में बुधवार को 8:15 AM पर धारण करें।
2. ओपल	8+	Right	Middle	चाँदी में शुक्रवार को 8:15 AM पर धारण करें।
3. नीलम (नीली)	6+	Left	Middle	लोहे, पीतल, ब्रॉन्ज में शनिवार की शाम को 8:15 PM पर धारण करें।

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पुखराज, मोती, माणिक, मूँगा, गोमेद आदि रत्न वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM) (8:15 PM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : गुरु (बृहस्पति देव) : गुरु का दान व जाप करने से रोगों को कम किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शनि देव की साढ़ेसाती का last २.५ साल चल रहा है। साढ़ेसाती के कारण पारिवार में समस्या create होंगी, धन का अभाव बना रहेगा। धनलाभ में कमी रहेगी। मन की इच्छा पूर्ण नहीं होंगी। छोटे-मोटे रोग लगे रहेंगे। पत्नी के साथ मनमुटाव की स्थिति बनी रहेगी। daily routine खर्च के लिए पैसों की तंगी भी हो सकती है।

→ इसलिए शनि देव का पाठपूजन सूर्यास्त के बाद शाम को अवश्य करें हर शनिवार को अवश्य करें। पीपल के पेड़ को जल देना तथा दीपक जलाना, शनि देव के पाप प्रभाव को कम करेगा तथा समस्याएं भी शान्त होंगी।
24/01/2020 से लेकर आगे के $2\frac{1}{2}$ साल तक अवश्य करें।
शनि देव के लिए शनिवार को fast भी रख सकते हैं।

→ राहु की महादशा : 07/01/2009 to 08/01/2027 : खराब दशा (80%)
↳ राहु देव के कारण दाम्पत्य जीवन में कमी आएगी तथा मनमुटाव की स्थिति बनेगी, daily wages को चुनौती तरह hit करेंगे। मानसिक तनाव, छोटे रोग लगे रहेंगे। भाइयों के साथ तनाव की स्थिति बन सकती है। चिड़चिड़ा स्वभाव तथा Negativity को बढ़ाएंगे। 4 पिंजूल का Hardwork काफी बढ़ेगा। Seniors के साथ relationship खराब या मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।
↳ राहु का दान अवश्य करें। हर शनिवार को सूर्यास्त के बाद तथा अमावस्या के दिन भी करें।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु | केतु | गुरु : 13/02/2020 to 03/04/2020 : धन (100%)
↳ समस्या, धन का प्रभाव, परिवार में समस्या, पैसे फस सकते हैं। व्यवसाय/नौकरी में समस्या, शत्रु बढ़ेंगे।

राहु | केतु | शनि : 04/04/2020 to 03/06/2020 : सामान्य समय
समस्याएं समाप्त होंगी, बच्चे के लिए अच्छा होगा, मन की इच्छा पूर्ण हो सकती है। धन आगमन के रास्ते खुल जाते हैं। शनि देव अपनी क्षमता अनुरूप ही 10% result देंगे। नीलम धारण करना लाभप्रद होगा।
↳ (राहु का दान अवश्य करें!) + शनि देव का पाठ पूजन

राहु | केतु | बुध : 04/02/2020 to 27/03/2020 : सामान्य समय
↳ (समस्याओं में कमी पाएगी।) तनाव की नकारात्मक control होगी।
↳ राहु का दान करते रहें! + शनि देव का पाठ पूजन

राहु | शुक्र : 24/03/20 to 24/03/23 : अच्छा समय → (conditional)
(if wear opal)
otherwise (सामान्य समय)
↳ राहु के दान + (शनि का पाठ पूजन)

* जीवन में शनि देव का पाठ पूजन चन्द्र देव का दान सोमवार को, बृहस्पति का दान thursday में, तथा राहु का दान शनिवार को करने से हर तरह की समस्या समाप्त होगी।

Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले के पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तकें बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)** पीपल के पेड़ को जल के चढ़ते हैं। दीपक जलाना चाहिए।
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

07/04/2020

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH), Phone: +91-8789981729, 8674827268, Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011207 Date: 04/04/2020

Rajeev

16 Nov 1966 06:15 AM

Delhi

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Rajeev

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011207 Date: 04/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **15-16/11/1966**
दिन	: मंगल–बुधवार
जन्म समय	: **06:15:00 ांटे**
इष्ट	: 58:48:39 घटी
स्थान	: **Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 05:53:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:15:29 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:32:28 घंटे
सूर्योदय	: 06:43:32 घंटे
सूर्यास्त	: 17:27:40 घंटे
दिनमान	: 10:44:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 29:49:09 तुला
लग्न के अंश	: 22:46:16 तुला

चैत्रादि संवत / शक	: 2023 / 1888
मास	: कार्तिक
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 3
तिथि समाप्ति काल	: 14:31:18
जन्म तिथि	: 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: मूल
नक्षत्र समाप्ति काल	: 29:12:56 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पूर्वाषाढ़ा
सूर्योदय कालीन योग	: सुकर्मा
योग समाप्ति काल	: 12:53:33 घंटे
जन्म योग	: धृति
सूर्योदय कालीन करण	: गर
करण समाप्ति काल	: 14:31:18 घंटे
जन्म करण	: विष्टि
भयात	: 02:35:11
भभोग	: 61:22:36
भोग्य दशा काल	: शुक्र 19 वर्ष 1 मा 22 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: तुला – शुक्र
राशि–स्वामी	: **धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	: **पूर्वाषाढ I – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: धृति
करण	: विष्टि
गण	: मनुष्य
योनि	: वानर
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: भू–भूपेन्द्र
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ात चक्र	
मास	: श्रावण
तिथि	: 3-8-13
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: भरणी
योग	: वज्र
करण	: तैतिल
प्रहर	: 1
वर्ग	: मार्जार
लग्न	: धनु
सूर्य	: तुला
चन्द्र	: मीन
मंगल	: वृश्चिक
बुध	: सिंह
गुरु	: धनु
शुक्र	: कुम्भ
शनि	: कन्या
राहु	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:46:16	307:36:39	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	----
सूर्य			तुला	29:49:09	01:00:29	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			धनु	13:54:12	13:12:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	26:40:48	00:33:55	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	03:10:15	01:19:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	11:02:37	00:01:04	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	01:33:57	01:15:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि	व		कुंभ	29:37:23	00:01:08	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		मेष	22:46:15	00:00:51	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:46:15	00:00:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			कन्या	00:08:16	00:02:20	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	----
नेप			तुला	28:33:53	00:02:15	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	----
प्लूटो			सिंह	26:52:17	00:01:12	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	----
दशम भाव			कर्क	27:19:40	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:26

लग्न–चलित

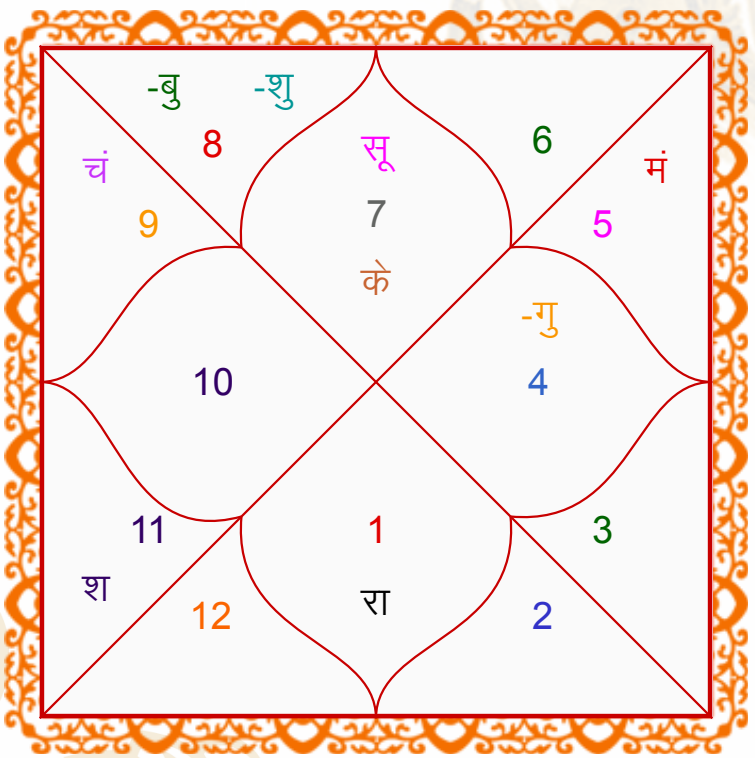

चन्द्र कुंडली

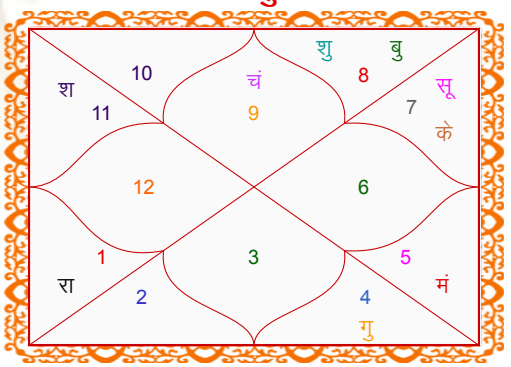

नवमांश कुंडली

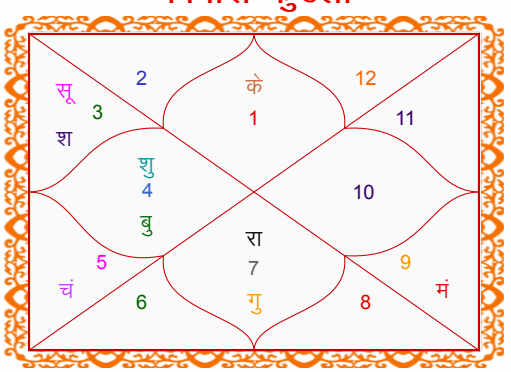

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	7	14	10	44	58	12	17
सप्तवर्गज बल	105	75	109	64	94	120	152
ओजयुग्मक बल	30	0	30	0	15	30	30
केन्द्र बल	60	15	30	30	60	30	30
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	202	104	178	138	227	192	229
कुल दिग्बल	29	46	50	57	26	31	42
नतोन्नत बल	31	29	29	60	31	31	29
पक्ष बल	45	91	45	15	15	15	45
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	12	60	35	55	55	5	34
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	88	180	215	130	190	111	123
कुल चेष्टाबल	0	0	28	55	39	1	41
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-3	-24	-16	-4	-10	-4	-5
कुल षट्बल	376	357	472	401	507	375	438
रूप षट्बल	6.3	5.9	7.9	6.7	8.5	6.2	7.3
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.3	1.0	1.6	1.0	1.3	1.1	1.5
संबंधित पद	4	6	1	7	3	5	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	9.00	14.15	16.31	49.08	47.73	4.07	26.20
कष्ट फल	50.49	45.83	40.29	9.12	6.46	53.28	28.74

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	375	472	507	438	438	507	472	375	401	357	376	401
भावदिग्बल	60	10	10	60	20	40	30	40	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	28	32	18	89	50	41	28	19	12	8	-8	14
कुल भाव बल	462	513	535	587	509	588	529	434	433	365	418	464
रूप भाव बल	7.7	8.6	8.9	9.8	8.5	9.8	8.8	7.2	7.2	6.1	7.0	7.7
संबंधित पद	8	5	3	2	6	1	4	9	10	12	11	7

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

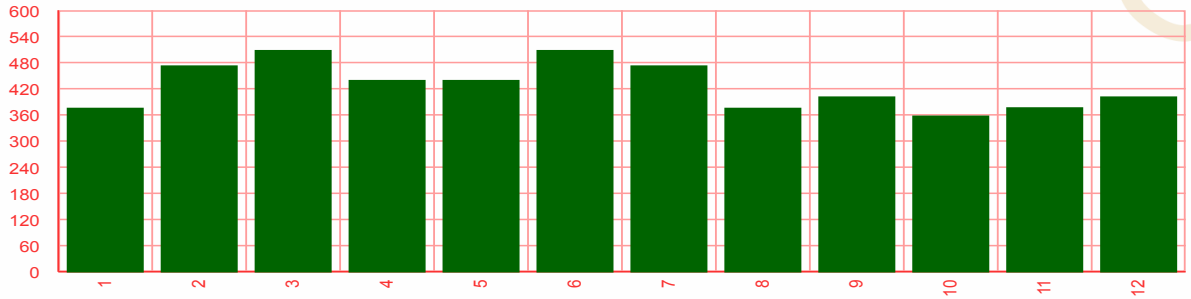

भावदिग्बल

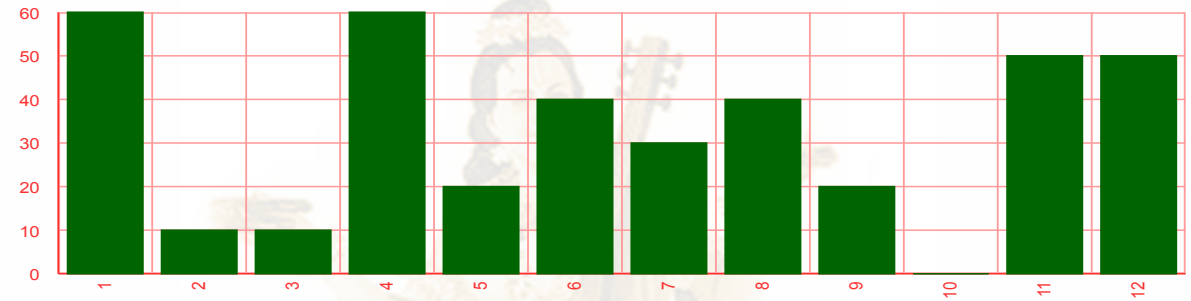

भावदृष्टि बल

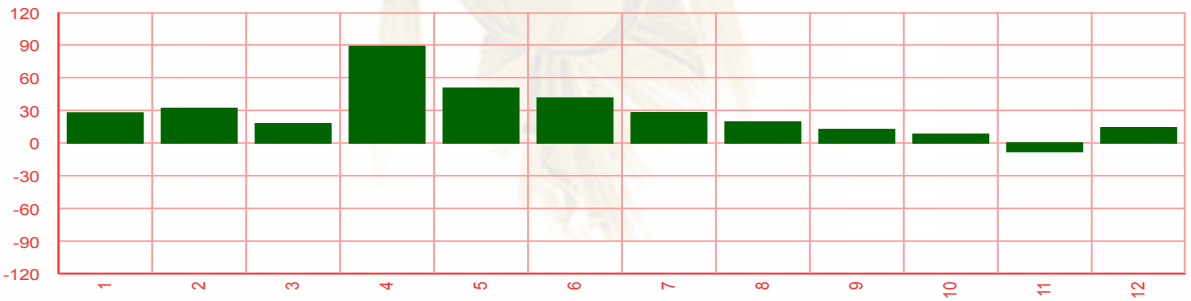

भाव बल

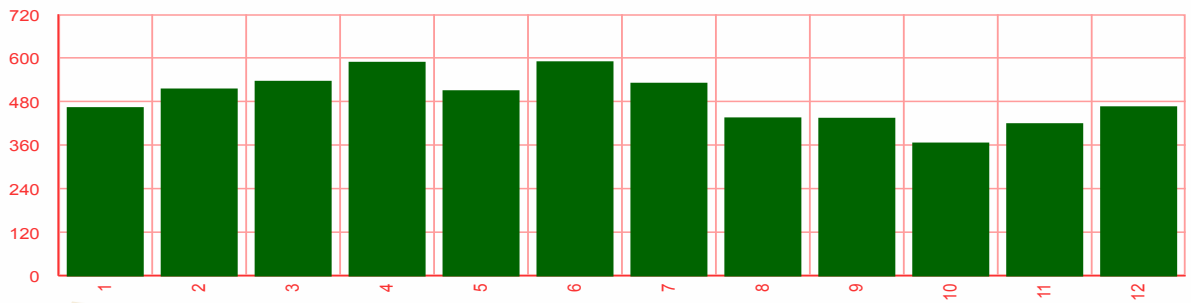

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 1 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष	
16/11/1966	
07/01/1986	
शुक्र	09/05/1969
सूर्य	09/05/1970
चंद्र	08/01/1972
मंगल	09/03/1973
राहु	09/03/1976
गुरु	08/11/1978
शनि	07/01/1982
बुध	07/11/1984
केतु	07/01/1986

सूर्य 6 वर्ष	
07/01/1986	
08/01/1992	
सूर्य	27/04/1986
चंद्र	27/10/1986
मंगल	04/03/1987
राहु	26/01/1988
गुरु	13/11/1988
शनि	26/10/1989
बुध	02/09/1990
केतु	08/01/1991
शुक्र	08/01/1992

चंद्र 10 वर्ष	
08/01/1992	
07/01/2002	
चंद्र	07/11/1992
मंगल	08/06/1993
राहु	08/12/1994
गुरु	08/04/1996
शनि	08/11/1997
बुध	09/04/1999
केतु	08/11/1999
शुक्र	09/07/2001
सूर्य	07/01/2002

मंगल 7 वर्ष	
07/01/2002	
07/01/2009	
मंगल	06/06/2002
राहु	24/06/2003
गुरु	30/05/2004
शनि	09/07/2005
बुध	06/07/2006
केतु	02/12/2006
शुक्र	01/02/2008
सूर्य	08/06/2008
चंद्र	07/01/2009

राहु 18 वर्ष	
07/01/2009	
08/01/2027	
राहु	20/09/2011
गुरु	13/02/2014
शनि	20/12/2016
बुध	09/07/2019
केतु	27/07/2020
शुक्र	28/07/2023
सूर्य	20/06/2024
चंद्र	20/12/2025
मंगल	08/01/2027

गुरु 16 वर्ष	
08/01/2027	
08/01/2043	
गुरु	25/02/2029
शनि	08/09/2031
बुध	14/12/2033
केतु	20/11/2034
शुक्र	21/07/2037
सूर्य	09/05/2038
चंद्र	08/09/2039
मंगल	14/08/2040
राहु	08/01/2043

शनि 19 वर्ष	
08/01/2043	
07/01/2062	
शनि	11/01/2046
बुध	20/09/2048
केतु	29/10/2049
शुक्र	29/12/2052
सूर्य	11/12/2053
चंद्र	12/07/2055
मंगल	20/08/2056
राहु	27/06/2059
गुरु	07/01/2062

बुध 17 वर्ष	
07/01/2062	
08/01/2079	
बुध	05/06/2064
केतु	02/06/2065
शुक्र	02/04/2068
सूर्य	07/02/2069
चंद्र	09/07/2070
मंगल	06/07/2071
राहु	23/01/2074
गुरु	30/04/2076
शनि	08/01/2079

केतु 7 वर्ष	
08/01/2079	
07/01/2086	
केतु	06/06/2079
शुक्र	05/08/2080
सूर्य	11/12/2080
चंद्र	12/07/2081
मंगल	08/12/2081
राहु	27/12/2082
गुरु	02/12/2083
शनि	10/01/2085
बुध	07/01/2086

शुक्र 20 वर्ष	
07/01/2086	
00/00/0000	
शुक्र	16/11/2086
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु	
09/07/2019	
27/07/2020	
केतु	01/08/2019
शुक्र	04/10/2019
सूर्य	23/10/2019
चंद्र	24/11/2019
मंगल	16/12/2019
राहु	12/02/2020
गुरु	03/04/2020
शनि	03/06/2020
बुध	27/07/2020

राहु - शुक्र	
27/07/2020	
28/07/2023	
शुक्र	25/01/2021
सूर्य	21/03/2021
चंद्र	21/06/2021
मंगल	24/08/2021
राहु	04/02/2022
गुरु	30/06/2022
शनि	20/12/2022
बुध	25/05/2023
केतु	28/07/2023

राहु - सूर्य	
28/07/2023	
20/06/2024	
सूर्य	13/08/2023
चंद्र	09/09/2023
मंगल	29/09/2023
राहु	17/11/2023
गुरु	31/12/2023
शनि	21/02/2024
बुध	07/04/2024
केतु	27/04/2024
शुक्र	20/06/2024

राहु - चंद्र	
20/06/2024	
20/12/2025	
चंद्र	05/08/2024
मंगल	06/09/2024
राहु	27/11/2024
गुरु	08/02/2025
शनि	06/05/2025
बुध	23/07/2025
केतु	24/08/2025
शुक्र	23/11/2025
सूर्य	20/12/2025

राहु - मंगल	
20/12/2025	
08/01/2027	
मंगल	12/01/2026
राहु	10/03/2026
गुरु	30/04/2026
शनि	30/06/2026
बुध	23/08/2026
केतु	15/09/2026
शुक्र	18/11/2026
सूर्य	07/12/2026
चंद्र	08/01/2027

गुरु - गुरु	
08/01/2027	
25/02/2029	
गुरु	22/04/2027
शनि	23/08/2027
बुध	11/12/2027
केतु	26/01/2028
शुक्र	04/06/2028
सूर्य	13/07/2028
चंद्र	16/09/2028
मंगल	31/10/2028
राहु	25/02/2029

गुरु - शनि	
25/02/2029	
08/09/2031	
शनि	21/07/2029
बुध	30/11/2029
केतु	22/01/2030
शुक्र	26/06/2030
सूर्य	11/08/2030
चंद्र	27/10/2030
मंगल	20/12/2030
राहु	08/05/2031
गुरु	08/09/2031

गुरु - बुध	
08/09/2031	
14/12/2033	
बुध	04/01/2032
केतु	21/02/2032
शुक्र	08/07/2032
सूर्य	18/08/2032
चंद्र	26/10/2032
मंगल	13/12/2032
राहु	17/04/2033
गुरु	05/08/2033
शनि	14/12/2033

गुरु - केतु	
14/12/2033	
20/11/2034	
केतु	03/01/2034
शुक्र	01/03/2034
सूर्य	18/03/2034
चंद्र	15/04/2034
मंगल	05/05/2034
राहु	25/06/2034
गुरु	10/08/2034
शनि	03/10/2034
बुध	20/11/2034

गुरु - शुक्र	
20/11/2034	
21/07/2037	
शुक्र	01/05/2035
सूर्य	19/06/2035
चंद्र	08/09/2035
मंगल	04/11/2035
राहु	29/03/2036
गुरु	06/08/2036
शनि	07/01/2037
बुध	25/05/2037
केतु	21/07/2037

गुरु - सूर्य	
21/07/2037	
09/05/2038	
सूर्य	05/08/2037
चंद्र	29/08/2037
मंगल	15/09/2037
राहु	29/10/2037
गुरु	07/12/2037
शनि	22/01/2038
बुध	04/03/2038
केतु	22/03/2038
शुक्र	09/05/2038

गुरु - चंद्र	
09/05/2038	
08/09/2039	
चंद्र	19/06/2038
मंगल	17/07/2038
राहु	28/09/2038
गुरु	02/12/2038
शनि	17/02/2039
बुध	27/04/2039
केतु	26/05/2039
शुक्र	15/08/2039
सूर्य	08/09/2039

गुरु - मंगल	
08/09/2039	
14/08/2040	
मंगल	28/09/2039
राहु	18/11/2039
गुरु	03/01/2040
शनि	26/02/2040
बुध	14/04/2040
केतु	04/05/2040
शुक्र	30/06/2040
सूर्य	17/07/2040
चंद्र	14/08/2040

गुरु - राहु	
14/08/2040	
08/01/2043	
राहु	24/12/2040
गुरु	19/04/2041
शनि	05/09/2041
बुध	07/01/2042
केतु	28/02/2042
शुक्र	24/07/2042
सूर्य	06/09/2042
चंद्र	18/11/2042
मंगल	08/01/2043

शनि - शनि	
08/01/2043	
11/01/2046	
शनि	01/07/2043
बुध	03/12/2043
केतु	05/02/2044
शुक्र	07/08/2044
सूर्य	01/10/2044
चंद्र	31/12/2044
मंगल	05/03/2045
राहु	17/08/2045
गुरु	11/01/2046

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध	
11/01/2046	
20/09/2048	
बुध	30/05/2046
केतु	26/07/2046
शुक्र	06/01/2047
सूर्य	24/02/2047
चंद्र	17/05/2047
मंगल	13/07/2047
राहु	08/12/2047
गुरु	17/04/2048
शनि	20/09/2048

शनि - केतु	
20/09/2048	
29/10/2049	
केतु	13/10/2048
शुक्र	20/12/2048
सूर्य	09/01/2049
चंद्र	12/02/2049
मंगल	07/03/2049
राहु	07/05/2049
गुरु	30/06/2049
शनि	02/09/2049
बुध	29/10/2049

शनि - शुक्र	
29/10/2049	
29/12/2052	
शुक्र	10/05/2050
सूर्य	07/07/2050
चंद्र	11/10/2050
मंगल	18/12/2050
राहु	09/06/2051
गुरु	11/11/2051
शनि	12/05/2052
बुध	23/10/2052
केतु	29/12/2052

शनि - सूर्य	
29/12/2052	
11/12/2053	
सूर्य	15/01/2053
चंद्र	13/02/2053
मंगल	06/03/2053
राहु	27/04/2053
गुरु	12/06/2053
शनि	06/08/2053
बुध	24/09/2053
केतु	14/10/2053
शुक्र	11/12/2053

शनि - चंद्र	
11/12/2053	
12/07/2055	
चंद्र	28/01/2054
मंगल	03/03/2054
राहु	29/05/2054
गुरु	14/08/2054
शनि	13/11/2054
बुध	03/02/2055
केतु	09/03/2055
शुक्र	13/06/2055
सूर्य	12/07/2055

शनि - मंगल	
12/07/2055	
20/08/2056	
मंगल	05/08/2055
राहु	05/10/2055
गुरु	28/11/2055
शनि	31/01/2056
बुध	28/03/2056
केतु	21/04/2056
शुक्र	27/06/2056
सूर्य	17/07/2056
चंद्र	20/08/2056

शनि - राहु	
20/08/2056	
27/06/2059	
राहु	23/01/2057
गुरु	11/06/2057
शनि	23/11/2057
बुध	19/04/2058
केतु	19/06/2058
शुक्र	10/12/2058
सूर्य	31/01/2059
चंद्र	27/04/2059
मंगल	27/06/2059

शनि - गुरु	
27/06/2059	
07/01/2062	
गुरु	29/10/2059
शनि	23/03/2060
बुध	01/08/2060
केतु	24/09/2060
शुक्र	25/02/2061
सूर्य	13/04/2061
चंद्र	29/06/2061
मंगल	22/08/2061
राहु	07/01/2062

बुध - बुध	
07/01/2062	
05/06/2064	
बुध	12/05/2062
केतु	02/07/2062
शुक्र	26/11/2062
सूर्य	09/01/2063
चंद्र	23/03/2063
मंगल	14/05/2063
राहु	23/09/2063
गुरु	18/01/2064
शनि	05/06/2064

बुध - केतु	
05/06/2064	
02/06/2065	
केतु	26/06/2064
शुक्र	26/08/2064
सूर्य	13/09/2064
चंद्र	13/10/2064
मंगल	03/11/2064
राहु	27/12/2064
गुरु	14/02/2065
शनि	12/04/2065
बुध	02/06/2065

बुध - शुक्र	
02/06/2065	
02/04/2068	
शुक्र	22/11/2065
सूर्य	13/01/2066
चंद्र	09/04/2066
मंगल	08/06/2066
राहु	10/11/2066
गुरु	28/03/2067
शनि	08/09/2067
बुध	02/02/2068
केतु	02/04/2068

बुध - सूर्य	
02/04/2068	
07/02/2069	
सूर्य	18/04/2068
चंद्र	14/05/2068
मंगल	01/06/2068
राहु	17/07/2068
गुरु	28/08/2068
शनि	16/10/2068
बुध	29/11/2068
केतु	17/12/2068
शुक्र	07/02/2069

बुध - चंद्र	
07/02/2069	
09/07/2070	
चंद्र	22/03/2069
मंगल	21/04/2069
राहु	08/07/2069
गुरु	15/09/2069
शनि	05/12/2069
बुध	17/02/2070
केतु	19/03/2070
शुक्र	13/06/2070
सूर्य	09/07/2070

बुध - मंगल	
09/07/2070	
06/07/2071	
मंगल	30/07/2070
राहु	23/09/2070
गुरु	10/11/2070
शनि	06/01/2071
बुध	27/02/2071
केतु	20/03/2071
शुक्र	19/05/2071
सूर्य	06/06/2071
चंद्र	06/07/2071

बुध - राहु	
06/07/2071	
23/01/2074	
राहु	23/11/2071
गुरु	26/03/2072
शनि	21/08/2072
बुध	31/12/2072
केतु	23/02/2073
शुक्र	28/07/2073
सूर्य	13/09/2073
चंद्र	29/11/2073
मंगल	23/01/2074